क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 69, बुधवार, 03 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भ्रष्ट यूपीए को देश पर राज करने का हक नहीं: अमित शाह

नेशनल डेस्क। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कांग्रेस कुछ भी कहे कश्मीर को हमसे कोई छीन नहीं सकता है। शाह ने तमिलनाडु में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की जनता चाहती है कि मोदी जी फिर प्रधानमंत्री बनें। भ्रष्ट यूपीए को देश पर राज करने का हक नहीं है। शाह ने कहा कि पुलवामा हमले में हमारे 40 सैनिक शहीद हुए। हमारी सेना ने सीमाओं को पार किया और हमारे बहादुर जवानों की हत्या का बदला लिया। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस और डीएमके नेता चाहते हैं कि हम पाकिस्तान के साथ बातचीत में शामिल हों। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने हालिया घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में स्वस्क को खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। क्या वे सेना और उनके जवानों का मनोबल गिराना चाहते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि एनडीए की नई सरकार राज्य का सहयोग करने और उसे विकास करने में मदद करने के लिए अपनी क्षमतानुसार सबकुछ करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास केरल से कोई सांसद नहीं था, लेकिन अब हमारे पास केरल से 4 राज्यसभा सांसद हैं। इस प्रकार, हमने दक्षिण भारत को प्रतिनिधित्व दिया है।

कांग्रेस का गरीब को 72 हजार रूपये देने,22 लाख सरकारी पद भरने का वादा

नई दिल्ली । पांच साल से केन्द्र की सत्ता से दूर रही कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के लिए वादों की झड़ी लगाते हुए अपनी सरकार बनने पर न्यूनतम आय योजना के तहत देश के 20 प्रतिशत सबसे गरीब परिवारों को 72 हजार रूपये सालाना देने, 22 लाख सरकारी पदों को भरने, किसानों के लिए अलग बजट लाने और संसद के पहले सत्र में ही महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की घोषणा की है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में आज यहां चुनाव घोषणा पत्र जारी किया जिसमें इन वादों के अलावा महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने,मनरेगा में 100 के बजाय 150 दिन के रोजगार की गारंटी , सभी के लिए स्वास्थ्य का कानून बनाने, शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का 6 प्रतिशत खर्च करने तथा ग्राम पंचायतों में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने की बात कही गयी है। पार्टी ने राफेल विमान सौदे सहित भारतीय जनता पार्टी के शासन में पांच वर्षों में हुए सभी सौदों की जांच कराने , चुनाव बॉन्ड समाप्त कर राष्ट्रीय चुनाव कोष स्थापित,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड बनाने तथा भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर देशद्रोह के अपराध संबंधी धारा को खत्म करने का भी वादा किया है। उसने रिण लौटाने में असमर्थ किसानों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज न करने की भी घोषणा की है। गांधी ने घोषणा पत्र को 'जन आवाज' बताते हुए कहा कि इसमें झूठे नहीं बल्कि सच्चे वादे किये गये हैं। इसके साथ ही उन्होंने नारा दिया, गरीबी पर वार,72 हजार÷। उन्होंने न्यूनतम आय योजना को 'न्याय' नाम देते हुए कहा कि इसके तहत 20 प्रतिशत सबसे गरीब परिवारों यानी पांच करोड़ परिवारों के खाते में हर साल 72 हजार रूपये सीधे जमा किये जायेंगे।

लोकसभा चुनाव

जब वो 70 वर्षों में सब कुछ ठीक करने का दावा नहीं कर सकते, तो मैं सिर्फ 5 वर्षों में कैसे कर सकता हूं : मोदी

जमुई ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एक दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे. अपने इस दौरे में उन्होंने जमुई में लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) पार्टी के उम्मीदवार चिराग पासवान के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित किया. जमुई में सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सभी अरचनों को दूर करते हुए एनडीए की सरकार ने ओबीसी कमीशन को संवैधानिक दर्जा देने का काम कर दिया है. साथ ही कहा कि इस आयोग के चेयरमैन भी बिहार के ही मुजफ्फरपुर के बने हैं. इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भारत रत्न देना उन्होंने उचित नहीं समझा. उन्होंने कांग्रेस पर बाबा साहब को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ लोग सत्ता पाने के लिए बाबा साहब के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं. बाबा साहब का मान-सम्मान किसी भी राजनीतिक दल से ऊंचा है. हर चुनाव में विरोधी आरक्षण का विषय लेकर आते हैं और लोगों को डराने की कोशिश करते हैं. उन्होंने कहा कि मैं बिहार के लोगों से कहना चाहता हूं कि विरोधियों द्वारा फैलाए जाने वाले अफवाह का मुहतोड़ जवाब दें. साथ ही कहा कि हमने किसी का अधिकार छीने बिना सवर्णों को दस प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया. इस दौरान उन्होंने आरजेडी पर भी हमला बोला. पीएम मोदी ने कहा नीतीश कुमार के साथ एनडीए के सभी दलों ने बिहार को बदलने के काम किया है. साथ ही कहा कि हम बदलाव ला रहे हैं. जमुई के आसपास के इलाकों में पाइप लाइन से गैस पहुंचाने जा रहे हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने कनेक्टिविटी की दिशा में कई कदम उठाए हैं. अपनी सरकार की उपलब्धि गिनाते हुए कहा कि हमारी सरकार ने गरीब परिवार के लोगों को आयुष्मान भारत, गैस कनेक्शन के लिए उज्ज्वला योजना सहित किसानों के लिए काम किया है. पीएम मोदी ने कहा कि मैं यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ नहीं कर सकता है. वो (कांग्रेस) 70 साल में दावा नहीं कर सकते तो, मैं 5 वर्षों में कैसे सभी काम करने का दावा कर सकता हूं. मैं लगातार काम करता रहूंगा. गया में आयोजित चुनावी रैली में प्रधानमंत्री के साथ जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रहेंगे. वहीं, जमुई में लोजपा प्रमुख रामविलास पासवान भी मौजूद रहे. ज्ञात हो कि चिराग पासवान जमुई सीट से एनडीए प्रत्याशी हैं. पीएम मोदी को सुनने के लिए घंटों से उनके समर्थक दोनों जगहों पर उनका इंतजार कर रहे थे. दोनों ही जगहों

को पर भारी संख्या में समर्थकों की भीड़ रही. ज्ञात हो कि बिहार में सात चरणों में चुनाव होने जा रहे हैं. वहीं, पहले चरण में औरंगाबाद, गया, नवादा और जमुई लोकसभा सीट के लिए 11 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे. अगर एनडीए की बात करें तो बीजेपी और जेडीयू 17-17 और लोजपा 6 सीटों पर चुनाव लड़ रही है.

कांग्रेस के घोषणापत्र पर बोली प्रियंका गांधी- युवा असली मुद्दों पर दें ध्यान

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को युवाओं का आह्वान किया कि वे उनकी पार्टी का घोषणापत्र पढ़ें और इस चुनाव में असल मुद्दों पर ध्यान दें। पार्टी का घोषणापत्र जारी होने के बाद प्रियंका ने ट्वीट कर कहा कि मैं सभी लोगों, खासकर युवाओं और पहली बार वोट देने जा रहे युवा वर्ग से आग्रह करती हूं- कृपया हमारा घोषणापत्र पढ़ें। इस चुनाव में असल मुद्दों पर ध्यान दें। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी किया जिसमें गरीबों को न्यूनतम आय योजना (न्याय) के तहत सालाना 72 हजार रुपये देने और किसानों की स्थिति सुधारने के लिए अलग बजट के प्रावधान का वादा किया गया है। पार्टी ने सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता, सरकारी सेवाओं की 22 लाख रिक्तियों को भरने, ग्रामीण स्तर पर हर साल लाखों युवाओं को रोजगार देने, राफेल एवं भ्रष्टाचार के अन्य मामलों की जांच कराने, राष्ट्रीय एवं आंतरिक सुरक्षा पर जोर देने तथा अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी, अल्पसंख्यकों एवं महिलाओं के विकास के लिए कदम उठाने जैसे कई प्रमुख वादे किए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेनिफेस्टो जारी करते कहा कि किसानों के लिए अलग बजट की व्यवस्था की जाएगी। रेल बजट की तर्ज पर अलग से किसानों के लिए बजट आएगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई किसान कर्ज लेकर उसे लौटा नहीं पाता है तो उसपर आपराधिक नहीं, बल्कि सिविल मुकदमा चलाया जाएगा। राहुल गांधी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी फोकस बनाए रखने का वादा किया है।

अरुणाचल प्रदेश: पक्के केसांग विधानसभा सीट पर होगा बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला

ईटानगर।

अरुणाचल प्रदेश की पक्के केसांग विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है जहां सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के प्रत्याशी समान लोकप्रियता का दावा कर रहे हैं. 2014 के विधानसभा चुनावों के बाद पक्के-केसांग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चर्चा में था. इस सीट पर पूर्व उप मुख्यमंत्री कामेंग डोलो कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे. उनके निर्वाचन को गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने अमान्य करार दिया था जिसके बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था. राज्य में 11 अप्रैल को लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने हैं. पक्के-केसांग जिला के पुलिस अधीक्षक जिमी चिराम ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन ने पर्याप्त उपाय किए हैं. उपायुक्त टी मेसर ने कहा कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर पोस्टल बैलेट अपलोड करने सहित सभी इंतजाम कर लिये गये हैं. उपायुक्त टी मेसर ने कहा कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर पोस्टल बैलेट अपलोड करने सहित सभी इंतजाम कर लिये गये हैं.

देश को तोड़ने वाला है कांग्रेस का घोषणापत्र: जेटली

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता अरूण जेटली ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में देश तोडने का एजेंडा है और नासमझी में वादे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ वादे ऐसे हैं जिन्हें लागू नहीं किया जा सकता और कुछ बेहद खतरनाक विचार हैं जो देश को ''बाल्कनीकरण (देश को छोटे छोटे हिस्सों में बांटना)की ओर ढकेल देंगे। बाल्कनीकरण का ऐसी नीतियों के परिणाम के रूप में उल्लेख किया जाता है जो क्षेत्र में भू राजनैतिक विभाजन की स्थिति उत्पन्न करती हैं। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जेटली ने कहा कि मसौदा तैयार करने के लिए कांग्रेस ने एक समिति बनाई थी लेकिन ऐसा लगता है कि कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने मित्रों एवं टुकड़े टुकड़े गैंग से सहयोग लिया। वित्त मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, '' कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में ऐसे एजेंडा हैं जो देश को तोडने का काम करते हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया कि वो जो वादे करते हैं उन्हें निभाते हैं। इस घोषणा पत्र में ऐसी बातें हैं जो देश को तोड़ने वाली हैं और देश की एकता के खिलाफ हैं। '' उन्होंने कहा कि इस घोषणापत्र में एक अध्याय जम्मू-कश्मीर पर है लेकिन इसमें कश्मीरी पंडितों का कोई उल्लेख नहीं है। इसमें नियमों एवं कायदों की समीक्षा की बात कही गई है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जेटली ने कहा कि नेहरू-गांधी परिवार की जम्मू कश्मीर को लेकर जो ऐतिहासिक भूल थी, जिसे देश माफ नहीं कर सकता, विपक्षी दल उसी एजेंडा को आगे बढ़ा रहा है। जेटली ने कहा कि इसमें आफस्पा में संशोधन करने और उसकी समीक्षा करने की बात कही गई है ।

मिशन 2019:

कांग्रेस का जन आवाज घोषणापत्र, 1 साल में 22 लाख नौकरियों का वादा

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया जिसमें उन्होंने पांच थीम पर जोर दिया। ये पांच थीम है- गरीबी पर वार (न्याय), रोजगार, किसान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा। राहुल ने कहा कि हमारी पार्टी का लोगो पंजा और हमारा फोकस भी पांच बातों पर ही रहेगा। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र को 'जन आवाज' का नाम दिया है जबकि इसके कवर पेज पर लिखा है 'हम निभाएंगे'। गांधी ने संप्रग प्रमुख सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कोषाध्यक्ष अहमद पटेल, घोषणापत्र समिति के प्रमुख पी चिदंबरम और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में घोषणा पत्र जारी किया घोषणापत्र का पहला वादा गरीबी पर वार। सबसे पहले बात न्याय की आय, जिसके जरिए सभी के खातों में पैसा डाले जाएंगे, गरीबी पर वार, 72 हजार ये पैसे हर साल दिए जाएंगे। इससे सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा । हमारी सरकार 2020 तक 22 लाख सरकारी पद भरेगी। 10 लाख युवाओं को ग्राम पंचायत में रोजगार दिया जाएगा। मनरेगा में भी 150 दिन के रोजगार की गारंटी होगी। युवाओं को रोजगार के लिए 3 साल तक अनुमति की जरूरत नहीं होगी। रोजगार देने वालों को भी हमारी सरकार मदद देगी। किसानों के लिए अलग से बजट लाया जाएगा ताकि उन्हें पता चल सके कि उनके लिए कितना खर्च हो रहा है। अगर किसान कर्ज नहीं चुका पाते हैं तो उन पर आपराधिक मुकद्दमा नहीं चलेगा बल्कि सिविल मुकदमा के तहत आएगा। राहुल ने कहा कि हम प्राइवेट इंशोरेंस भरोसा नहीं करते हैं, गरीब व्यक्ति को भी हाई क्वालिटी अस्पताल का एक्सेस हो। हम सरकारी अस्पतालों को और मजबूत करेंगे। इसके साथ ही देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंरिक सुरक्षा पर कांग्रेस का पूरा फोकस होगा। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में आपके मन की बात है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह घोषणापत्र कोई एक-दो महीनों में तैयार नहीं किया गया है बल्कि हमने एक साल पहले इसके लिए प्रक्रिया की शुरुआत की थी। हमने पी चिदंबरम और राजीव गौड़ा से कहा था कि यह घोषणापत्र देश की जनता की राय होनी चाहिए। राहुल ने कहा कि घोषणापत्र में किया गया हर वादा हम निभाएंगे क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह बंद दरवाजे के अंदर नहीं बल्कि लोगों की राय से तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं सिर्फ अपनी बात करता हूं, ये देश के ऊपर है कि वो क्या सोचते हैं। राहुल ने कहा कि इस चुनाव का नेरेटिव सैट हो गया है, जो गरीबी और रोजगार पर है। देश का प्रधानमंत्री किसी भी तरह से पीछे नहीं छुप नहीं सकता है, उन्होंने कहा कि चौकीदार छुप सकता है लेकिन भाग नहीं सकता है। राहुल ने कहा कि सत्ता में आने पर हम मोदी सरकार की चुनाव बॉन्ड स्कीम को बंद कर इसकी जगह राष्ट्रीय चुनाव कोष स्थापित करेंगे। राहुल ने कहा कि मौजूदा चुनाव (निर्वाचक) बॉन्ड स्कीम संदिग्ध और अपारदर्शी है और यह सत्ताधारी दल के पक्ष में बनाई गई है।

अमित शाह खुद दो बार गए थे उद्धव ठाकरे को मनाने, तब हुआ भाजपा : शिवसेना का गठबंधन

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि हिंदुत्व उनकी पार्टी और भाजपा को एक सूत्र में बांधता है और दोनों ने अतीत के अपने मतभेदों को भुलाकर चुनाव पूर्व गठबंधन करने का निर्णय किया है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में शिवसेना के सांसद संजय राउत को दिए साक्षात्कार में ठाकरे ने कहा कि मुद्दों के समाधान के लिए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह दो बार उनके पास आए जिसके बाद वह गठबंधन पर सहमत हुए। भाजपा, इसके नेतृत्व और राजग सरकार की नीतियों की शिवसेना अक्सर आलोचना करती रही है लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ हाल में उसने सीटों के बंटवारे को लेकर समझौता किया है। भाजपा और शिवसेना महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में क्रमश= 25 और 23 सीटों पर लड़ने के लिए सहमत हुई है। ठाकरे ने कहा कि आपने मुझसे पूछा कि हम फिर से गठबंधन के लिए राजी क्यों हुए। पूरी दुनिया गवाह है। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह मेरे पास एक बार नहीं बल्कि दो बार आए और जब गठबंधन की रूपरेखा तय हुई, हमने लोगों की समस्याओं को सामने रखा। यह सब जब हुआ तो मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि शाह चाहते थे कि दोनों दलों के बीच तनाव खत्म हो। वह भी भाजपा प्रमुख के विचारों से सहमत थे। एक अन्य सवाल के जवाब में ठाकरे ने कहा कि चर्चा के दौरान दोनों भगवा दलों के बीच तनाव के मुद्दों को हल किया गया। उन्होंने कहा कि पहले की तरह हिंदुत्व वह धागा है जो भाजपा और शिवसेना को एक सूत्र में बांधता है। उन्होंने विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि अगर वे सत्ता में आए तो प्रधानमंत्री पद के लिए वे झगड़ा करेंगे क्योंकि उनमें एकजुट करने वाले नेता की कमी है।

अमित शाह पर मुफ्ती का तंज, अनुच्छेद 370 को रद्द करने का 'सपना' देखना छोड़ दें

श्रीनगर।

पीडीपी प्रमुख एवं जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि भाजपा अध्यक्ष संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बारे में दिन में सपना देख रहे हैं। यह अनुच्छेद राज्य को विशेष दर्जा देता है। मुफ्ती ने कहा कि यह संवैधानिक प्रावधान राज्य के लोगों और भारत के बीच एक पुल है। मुफ्ती ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि अगर संवैधानिक प्रावधान को हटाया गया तो उनके साथ-साथ मुख्यधारा के नेताओं को आगे के कदम पर फिर से विचार करना होगा। मुफ्ती ने कहा, अगर आप इस पुल को तोड़ते हैं तो महबूबा मुफ्ती जैसे मुख्यधारा के नेताओं, जो भारत के संविधान और जम्मू कश्मीर के संविधान की शपथ लेते हैं, उन्हें हमारे आगे के कदमों पर फिर से विचार करना होगा क्योंकि हमने भारत के झंडे का समर्थन किया है और अगर आप (अनुच्छेद) 370 को छुएंगे, तो यह झंडा हमारे हाथों या हमारे कंधों पर नहीं रहेगा।'' अनुच्छेद 370 जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देता है और राज्य से संबंधित कानून बनाने के संबंध में संसद की शक्ति को सीमित करता है। मुफ्ती, शाह की उस टिप्पणी पर

प्रतिक्रिया दे रहीं थी जिसमें अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने की भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

संपादकीय

कामयाबी का लॉन्च

ऐसा बहुत कम ही संगठनों के साथ होता है कि उनका हर कदम कामयाबी की एक नई कहानी लिखे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, यानी इसरो ने हमें ऐसी ही कहानियों की एक लंबी शृंखला दी है। सोमवार को इसरो द्वारा छोड़े गए पीएसएलवी-सी45 रॉकेट ने एक साथ कई रिकॉर्ड बनाए हैं। वैसे तो रॉकेट लॉन्च के ऐसे मामले में लगातार सफलता ही अपने आप में एक रिकॉर्ड होती है, लेकिन इस बार इसरो ने जो कामयाबियां हासिल की हैं, वे इससे कहीं बड़ी हैं। इसरो ने इस रॉकेट के जरिये एक साथ 28 उपग्रह विभिन्न कक्षाओं में स्थापित किए हैं। अंतरिक्ष में एक ही मिशन से एक से ज्यादा रॉकेट स्थापित करना अब इसरो के लिए कोई नई चीज नहीं है। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब इसरो ने एक ही रॉकेट के जरिए तीन अलग-अलग कक्षाओं में उपग्रह स्थापित किए हैं। यह इसरो के बढ़ते आत्मविश्वास का नतीजा भी है और उसकी तकनीकी महारत का भी। इन 28 में से सिर्फ एक उपग्रह सरकारी है- रक्षा विभाग का उपग्रह इमीसैट, बाकी के सभी 27 उपग्रह निजी क्षेत्र के हैं, जिनमें से ज्यादातर अमेरिका समेत कई देशों की कंपनियों के हैं। बात सिर्फ इसरो के आत्मविश्वास की ही नहीं है, उसकी महारत पर पूरी दुनिया का भरोसा बढ़ा है। और अब बात इमीसैट की। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ द्वारा लॉन्च किया गया यह उपग्रह कई तरह से भारत की रक्षा जरूरतों को पूरा करेगा। इसका जो ब्योरा सामने आया है, उसके मुताबिक, यह इलेक्ट्रॉनिक जासूसी उपग्रह है, जो दुश्मन के एंटी राडार सिस्टम को तुरंत पकड़ सकता है। प्रचलित राडार प्रणाली को धोखा देने वाले एंटी राडार सिस्टम का इस्तेमाल पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है और देश की सीमाओं पर इस समय जो माहौल है, उसे देखते हुए भारत को इस तरह के उपग्रह की सख्त जरूरत थी। मसलन, पाकिस्तान की वायु सेना के पास काफी समय से अवाक्स विमान हैं, ये विमान परंपरागत राडार प्रणाली को धोखा देने के लिए जाने जाते हैं। 436 किलोग्राम का इमीसैट मिनी सैटेलाइट ऐसे जंगी विमानों की आवाजाही की टोह लेने का विशाल आश्वासन है। इस उपग्रह में दुश्मन के राडार को चुप कराने की भी क्षमता है। यह एक सप्ताह में इसरो-डीआरडीओ की जुगलबंदी की लगातार दूसरी सफलता है। पिछले सप्ताह दोनों ने मिलकर एंटी सैटेलाइट मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। दोनों संगठनों का यह सहयोग आगे भी चलता रहे, इसकी बहुत बड़ी जरूरत है। इसरो के खाते में एक के बाद एक लगातार कई बड़ी कामयाबियां हैं, जबकि डीआरडीओ के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। उसके खाते में भी कई सफलताएं हैं, पर असफलताएं भी कम नहीं हैं। आधुनिकतम तकनीक विकसित करने और उसके उपयोग की जो महारत इसरो ने हासिल की है, वह डीआरडीओ के पास नहीं है। उम्मीद है, इसरो के साथ काम करके डीआरडीओ भी लगातार सफलता की कार्य-संस्कृति को अपनाना सीखेगा। यदि ऐसा हो सका, तो रक्षा मामलों में भारत की विदेशों पर निर्भरता लगातार कम होगी। भारत इस समय दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। यह स्थिति बहुत दिन तक चलने नहीं दी जा सकती। इसकी उम्मीद उसी कार्य-संस्कृति से की जा सकती है, जो इसरो ने अपने यहां विकसित की है।

ट्वीट

खात्मा

राहुल के लिए खिंचाव हर तरफ है। पहले उन्हें कांग्रेस की लोक सभा सीटें दो गुनी करने और भाजपा को हराने तो दीजिए। अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री होते हैं तो सर्वाधिक खुशी मुझे होगी। किसी भी तरह से वामदल का खात्मा हो ही रहा है। मरे को मार कर आप शेर बन जाओ।

शाहिद सिद्दीकी, पत्रकार

जन धन से अकुशल बैंकों का पोषण

भरत झुनझुनवाला

वर्ष 2017-18 में केंद्र सरकार ने सरकारी बैंकों को 88 हजार करोड़ रुपये की पूंजी उपलब्ध कराई है। वर्तमान वर्ष 2018-19 में अब तक केंद्र सरकार लगभग 100 हजार करोड़ रुपये की पूंजी उपलब्ध करा चुकी है। ये रकमें सरकारी बैंकों को इसलिए उपलब्ध करानी पड़ी थीं क्योंकि इनके द्वारा घाटा उठाया जा रहा था और इनके डूबने की आशंका थी। ये न डूबें, इसलिए सरकार ने इसमें पूंजी निवेश किया। इन रकमों की विशालता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि केंद्र सरकार का वर्तमान वर्ष में कुल खर्च लगभग 24 लाख करोड़ रुपये है। इसमें 1 लाख करोड़ रुपये सरकारी बैंकों में पूंजी निवेश के रूप में किया गया है। सरकार के खर्च के प्रत्येक एक रुपये में लगभग 4 पैसे सरकारी बैंकों को पूंजी के रूप में दिए जा रहे हैं। इस रकम की विशालता का दूसरा अनुमान यह है कि वर्तमान वर्ष में केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की पूंजी खर्च की जा रही है। जितनी रकम से पूरे देश में मनरेगा चलाया जा रहा है, उससे दुगनी रकम सरकारी बैंकों को अपने घाटे की भरपाई के लिए पूंजी के रूप में दी जा रही है। यह दुरूह परिस्थिति हमें अवसर देती है कि सरकारी बैंकों की मूल दिशा पर विचार करें। सरकारी बैंकों की सही स्थिति जानने के लिए इनकी तुलना प्राइवेट बैंकों के साथ तीन मानकों पर की जा सकती है। पहला मानक कार्यकुशलता का है। सरकारी बैंकों द्वारा लगातार घाटा उठाने से यह स्पष्ट दिखता है कि इनकी कार्यशैली कुशल नहीं है। इन बैंकों के अधिकारियों का कहना रहता है कि राजनीतिक दखल के कारण इन्हें तमाम ऐसे लोन देने पड़ते हैं जो उनकी नजर में सही नहीं होते हैं। यह सरकारी बैंकों की ढांचागत समस्या है। चूंकि सरकारी बैंकों पर केंद्र सरकार के वित्त सचिव का नियन्त्रण रहता है और उनके बोर्ड की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है, इसलिए बैंक के अधिकारियों का सहज ही झुकाव केंद्र सरकार के दिशानुसार काम करने का हो जाता है। प्राइवेट बैंकों में इस प्रकार का कोई संकट नहीं रहता है। प्राइवेट बैंकों के अधिकारी की दृष्टि बैंक द्वारा प्रॉफिट कमाए जाने की ओर रहती है। इसलिए प्राइवेट बैंकों में खटाई में पड़े हुए ऋण कम ही होते हैं। अतः कुशलता के मापदंड पर प्राइवेट बैंक उत्तम दिखते हैं। दूसरा मापदंड जनता के प्रति जवाबदेही है। सरकारी बैंकों की जवाबदेही मूलतः सरकार के प्रति होती है। इनके बोर्डों में नियुक्ति केन्द्र सरकार द्वारा की जाती है। बीते समय में कई सरकारी बैंकों के शेयरों को बाज़ार में लिस्ट भी किया गया है। लिस्ट होने से इनके शेयरों के दाम में उतार-चढ़ाव होने से भी इनकी जवाबदेही बनती है। जैसे यदि किसी बैंक का कार्य ठीक नहीं होता है तो शेयर बाज़ार में इसके शेयर के दाम गिरने लगते हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि सरकारी बैंकों में आधी जवाबदेही होती है। यह इसलिए कि शेयर बाज़ार में किसी बैंक के शेयर के दाम गिर भी जाएं तो भी बैंक पर नियंत्रण केन्द्र सरकार का ही बना रहता है। बीते समय में देखा है कि जब बैंकों पर जीवित रहने का संकट मंडराने लगा तो केन्द्र सरकार ने इन्हें पूंजी उपलब्ध करायी। यानी इनकी जवाबदेही असफल थी। यदि ये बैंक प्रॉफिट नहीं कमा पा रहे थे तो इनके ऊपर सख्त कदम उठाये जाने थे जो कि नहीं उठाये गये। प्राइवेट बैंकों की जवाबदेही अपने मालिक के प्रति होती है क्योंकि मालिक लाभ कमाने के उद्देश्य से इन बैंकों को चलाते हैं। इसलिए जनता के प्रति इनकी जवाबदेही की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः जवाबदेही की दृष्टि से सरकारी बैंक में आधी जवाबदेही स्थापित होती है जबकि प्राइवेट बैंकों में इसकी कोई जरूरत ही नहीं रहती है। तीसरा मापदंड सामाजिक दायित्व का है। इसमें कोई संशय नहीं कि सरकारी बैंकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में शाखाएं खोली हैं और तमाम सरकारी योजनाओं को इन्होंने चलाया है, जैसे जन धन एवं मुद्रा योजना। लेकिन अंत में इन ग्रामीण शाखाओं का परिणाम यह होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की पूंजी शहर को जाती है। बैंकों की कार्यकुशलता का एक मान्य मानदंड क्रेडिट डिपॉजिट अनुदान होता है। बैंक द्वारा जो रकम उधार दी गयी, उसे क्रेडिट और जो रकम जमा की गयी, उसे डिपॉजिट कहा जाता है। यदि बैंक ने 30 हजार का ऋण दिया और एक लाख रुपये के डिपॉजिट स्वीकार किये तो क्रेडिट डिपॉजिट रेश्यो 0.30 स्थापित होता है। यदि क्रेडिट डिपॉजिट रेश्यो 1 के ऊपर हो तो अर्थ होता है कि बैंक द्वारा पैसा कम जमा किया जा रहा है और ऋण ज्यादा दिए जा रहे हैं इसके विपरीत जब क्रेडिट डिपॉजिट रेश्यो 1 से कम होता है तो अर्थ होता है कि बैंक द्वारा अपने क्षेत्र में जमा ज्यादा और ऋण कम दिए जा रहे हैं। आम रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों का क्रेडिट डिपॉजिट राशियो 0.2 से 0.3 रहता है। इसका अर्थ हुआ कि ग्रामीण क्षेत्र के बैंकों में यदि 100 रुपया जमा कराया जाता है तो बैंक द्वारा उस क्षेत्र के उद्यमियों को मात्र 20-30 रुपया दिया जाता है। मुंबई के बैंकों का क्रेडिट डिपॉजिट रेश्यो ज्यादा होने से यह प्रमाणित होता है कि वहां पर जमा कम और ऋण ज्यादा दिए जा रहे हैं। परिणाम यह है कि ग्रामीण क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की पूंजी को खींचकर मुंबई पहुंचाया जा रहा है। अतः यह विचारणीय है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक खोलने से सामाजिक दायित्व की पूर्ति किस प्रकार होती है। अनुमानानुसार दायित्व की पूर्ति तो तब होती जब शहर में जमा की गयी पूंजी को इन बैंकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण के रूप में दिया जा रहा होता लेकिन ऐसा नहीं है। इसलिए सार्वजनिक बैंकों द्वारा सामाजिक दायित्व की पूर्ति भी आधी ही मानी जाएगी। निजी बैंकों को भी रिज़र्व बैंक द्वारा आदेश दिए जाते हैं कि वे दिए गये कुल ऋणों का एक हिस्सा प्रायोरिटी सेक्टर को दिया करेंगे, जैसे कृषि अथवा छोटे उद्यमों को। लेकिन प्राइवेट बैंकों द्वारा भी इन नियमों का अनुपालन आधे मन से ही हो रहा है। इसलिए सामाजिक दायित्व के मापदंड पर सरकारी और प्राइवेट बैंक एक सरीखे पड़ते हैं। कुल आकलन इस प्रकार बैठता है। सरकारी बैंक अकुशल हैं जबकि प्राइवेट बैंक तुलना में कुशल हैं। सरकारी बैंक की जवाबदेही आधी है जबकि प्राइवेट बैंक में इसकी कोई आवश्यकता नहीं होती है। सामाजिक दायित्व में सरकारी और प्राइवेट बैंक लगभग बराबर पड़ते हैं। अतः कुल मिला कर सरकारी बैंकों को जनता की कमाई से पूंजी उपलब्ध कराने का कोई औचित्य नहीं बनता। इस पूंजी निवेश का एकमात्र उद्देश्य रह जाता है कि इनमें व्याप्त घोटाले और अकुशलताओं पर पर्दा डाल दिया जाये। अतः हमें सरकारी बैंकों का निजीकरण कर देना चाहिए। इनके निजीकरण से मिली रकम का उपयोग रिसर्च और अन्य जरूरी कार्यों में लगाना चाहिए। जनता की गाढ़ी कमाई से वसूले गये टैक्स से इनकी अकुशलता को पोषित करने का कोई औचित्य नहीं है।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

एकांत का आनंद

ओशो/ एकांत में होना और मौन एक ही अनुभव के दो आयाम हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू। यदि कोई व्यक्ति मौन को अनुभव करना चाहता है तो इसके लिए उसे अपने एकांत में जाना होगा। एकांत अकेलापन नहीं है। अकेलापन उदासी होती है। एकांत में व्यक्ति अपने को पाना चाहता है। वह अपने से भागा हुआ नहीं होता। एकांत अपने साथ होने का नाम है। इसी एकांत में वह एक है। वह वहां है। हम अकेले पैदा होते हैं। हम अकेले मरते हैं। इन दो वास्तविकताओं के बीच हम साथ होने के हजारों भ्रम पैदा करते हैं। सभी तरह के रिश्ते, दोस्त और दुश्मन, प्रेम और नफरत, देश, वर्ग, धर्म। एक बंधन ही तो हैं। एक दिलचस्प मोहपाश। जबकि एक इस तय हम अकेले हैं को टालने के लिए हम सभी तरह की कल्पनाएं पैदा करते हैं। लेकिन जो कुछ भी हम करते हैं। कर लें पर वास्तविकता नहीं बदल सकती। एक सत्य बदल नहीं सकता। वह ऐसा ही है, और उससे भागने की जगह, श्रेष्ठ ढंग यह है कि इसका आनंद लें।अपने एकांत का आनंद लेना ही ध्यान है। ध्यानी वह है जो अपने अकेले होने में गहरा उतरता है, यह जानते हुए कि हम अकेले पैदा होते हैं, हम अकेले मरेंगे, और गहरे में हम अकेले जी रहे हैं। तो क्यों नहीं इसे अनुभव करें कि यह एकांत है क्या? यह हमारा आत्यंतिक स्वभाव है, हमारा अपना होना। जब भी एकांत होता है, तो हम अकेलेपन को एकांत समझ लेते हैं। और तब हम तत्काल अपने अकेलेपन को भरने के लिए कोई उपाय कर लेते हैं। पिक्चर देखने चले जाते हैं। अकेलेपन से भाग कर रेडियो खोल लेते हैं। बेचैनी में अखबार पढ़ने लगते हैं। और जब बहुत कुछ नहीं सूझता, तो सो जाते हैं। नींद में सपने देखने लगते हैं। मगर अपने अकेलेपन को जल्दी से भर लेते हैं। ध्यान रहे, अकेलापन सदा उदासी लाता है, एकांत आनंद लाता है। मोद लाता है। ये उनके लक्षण हैं। अगर आप घड़ीभर एकांत में रह जाएं, तो आपका रोआं-रोआं आनंद की पुलक से भर जाएगा। और आप घड़ी भर अकेलेपन में रह जाएं, तो आपका रोआं-रोआं थका और उदास, और कुम्हलाए हुए पत्तों की तरह आप झुक जाएंगे। अकेलेपन में उदासी पकड़ती है, क्योंकि अकेलेपन में दूसरों की याद आती है। और एकांत में आनंद आ जाता है, क्योंकि एकांत में प्रभु से मिलन होता है। वही आनंद है, और कोई आनंद नहीं है। अब यह मत कहना कि प्रभु हैं ही नहीं। इस बहस में मत पड़ना। यह फरेब की तरफ ले जाएगा।

फिर मार दी गई ईमानदारी

मुद्दा/ आर के सिन्हा

पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ से सटे खरड़ शहर में विगत दिनों जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी में अधिकारी नेहा शौरी की उनके दफ्तर में ही दिन दहाड़े गोली मार कर की गई। इस हत्या ने सत्येंद्र दुबे और मंजूनाथ जैसे ईमानदार सरकारी अफसरों की नृशंस हत्याओं की यादें ताजा कर दीं। नेहा बेहद मेहनती और कर्त्तव्यपरायण अधिकारी थीं। बेईमानों को छोड़ती नहीं थीं। इसका खमियाजा उन्हें जान देकर देना पड़ा। कहा जा रहा है कि 2009 में जब वह रोपड़ में तैनात थीं, उस दौरान उन्होंने आरोपित के मेडिकल स्टोर का घोर अनियमितताओं के चलते लाइसेंस कैंसिल कर दिया था। बदला लेने के लिए उन पर सुनियोजित हत्या के मकसद से हमला हुआ। नेहा की हत्या ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि देश में ईमानदारी से काम करना कठिन होता जा रहा है। सत्य के साथ खड़ा होने वाले अफसरों का सरकार भी कभी अपेक्षित साथ नहीं देती। समाज भी आदर या सुरक्षा देने को तैयार नहीं। ईमानदार अफसरों को भटकना पड़ता है। भ्रष्ट राजनेताओं और उच्चाधिकारियों द्वारा प्रमोशन से अकारण वंचित किया जाता है। साथ ही ट्रांसफर की तलवार तो उन पर हमेशा लटकी रहती है। हरियाणा कैडर के आईएएस अशोक खेमका को न जाने कितनी ही बार यहां से वहां ट्रांसफर किया जाता रहा क्योंकि वे सच के साथ हमेशा खड़े होते हैं। इसलिए कि वह सही मायनों में सही है। इन परिस्थितियों में खेमका जैसे अफसर तो हमेशा परेशान ही रहेंगे। नेहा जैसे अफसर मारे ही जाते रहेंगे। विगत वर्ष हिमाचल प्रदेश के कसौली शहर में अवैध होटल और निर्माण सील करने पहुंची महिला अधिकारी शैलबाला की होटल मालिक ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दोनों संगीन मामले पुख्ता सुबूत हैं कि समाज के शक्तिशाली वर्ग को कानून का भय नहीं रह गया है। राम मनोहर लोहिया ने 21 दिसम्बर, 1963 को भ्रष्टाचार के खात्मे पर संसद में बहस में अति महत्त्वपूर्ण भाषण दिया था। कहा था, ''सिंहासन और व्यापार के बीच संबंध भारत में जितना दूषित, भ्रष्ट और बेईमान हो गया है, उतना दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं हुआ है। अंग्रेजों का लगान वसूलना हो या नेताओं की जेबें भरना हो, यह व्यवस्था तो वैसी ही रही। आका बदल गए, उनके रूप बदल गए पर विचार तो वहीं हैं। जनता का शोषण तब भी था, अब भी है। भ्रष्ट राजनीतिज्ञों ने लोक सेवा को ऐसा बना दिया है कि हमारी सामाजिक कल्याण की इच्छा शक्ति और श्रेष्ठ प्रशासन की भावनाएं ही खत्म होती जा रही हैं। हममें से कुछ लोगों का ध्यान केवल अपनी नौकरी, शानदार सरकारी सुख-सुविधाओं, विदेश भ्रमण और विलासिता-वैभव तक केंद्रित रह गया है।' मैं डॉ. लोहिया के विचारों से शत-प्रतिशत सहमत हूं। 15 अगस्त, 1947 को सत्ता-परिवर्तन तो हो गया पर व्यवस्था-परिवर्तन कहां हुआ? जागरूक नागरिकों को याद ही होगा सत्येंद्र दुबे और मंजूनाथ की कहानी? सत्येंद्र दुबे नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया में प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। उन्होंने प्रधानमंत्री की महत्त्वाकांक्षी स्वर्णिम चतुर्भज सड़क योजना में व्याप्त भ्रष्टाचार को नजदीक से देखा। उन्होंने तब प्रधानमंत्री अटलबिहारी वापजेयी को एक सीलबंद चिट्ठी लिखी जिसमें योजना में व्याप्त करप्शन का पूरा कच्चा चिट्ठा था। इस पत्र को लिखने के कुछ दिनों बाद सत्येंद्र दुबे की हत्या हो गई थी।अब बात कर लेते हैं 27 वर्षीय एस. मंजुनाथ की। वह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन में मैनेजर के रूप में कार्यरत थे। तेरह सितम्बर, 2005 को पेट्रोल पंप मित्तल ऑटोमोबाईल का निरीक्षण करने के दौरान उन्हें गड़बड़ियां मिलीं। उनकी शिकायत पर पेट्रोल पंप को निलंबित कर दिया गया। उन्नीस नवम्बर को मंजुनाथ ने फिर वहां का निरीक्षण किया। लेकिन, इस बार पेट्रोल पंप मालिक के बेटे ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनकी गोली मारकर दिन दहाड़े निर्ममता से हत्या कर दी। इसका खुलासा 20 नवम्बर को तब हुआ जब हाईवे पर पेट्रोलिंग करती पुलिस जीप ने एक मारु ति कार को पकड़ा जिसमें मंजुनाथ के शव के साथ अभियुक्त सवार थे, जो शव को कहीं ठिकाने लगाने जा रहे थे। यानी ईमानदारी और कर्त्तव्यपरायणता की कीमत ईमानदार अफसर बार-बार चुका ही रहे हैं। दरअसल, जिनमें कर्त्तव्यपरायणता का गुण होगा, वे तो हर दौर में सामने आते रहेंगे। पर क्या हमारा समाज भी कभी इन कर्त्तव्यपरायण सरकारी अफसरों को सम्मान दे पाएगा? क्या सरकारी तंत्र इनको कभी पर्याप्त तरजीह और सुरक्षा मुहैया करा पायेगा? इन प्रश्नों को कभी हमें खुद से पूछना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

रूस से एसयू-57 लड़ाकू विमान की डील कर सकते है भारत-चीन

बीजिंग।

चीन रूस से अत्याधुनिक लड़ाकू स्टील्थ विमान सुखोई एसयू-57 खरीदने पर विचार कर रहा है । मास्को ने अपने इस बेहतरीन लड़ाकू विमान को बेचने के लिए चीन और भारत की संभावित खरीददार के रूप में पहचान की है। अगर भारत और चीन ने रूस से ये डील की तो इससे दक्षिण एशिया में हथियारों की दौड़ फिर शुरू हो सकती है। दुनिया का सबसे उत्तम लड़ाकू विमान विमान बताते हुए रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अपने इस एसयू-57 को पांचवीं पीढ़ी का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान बताया है जो हवाई, जमीनी और नौसेना लक्ष्यों को आसानी से मार गिरा सकता है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में छपी खबर के मुताबिक, मलेशिया में लांग्कवी इंटरनेशनल मैरीटाइम एंड एयरोस्पेस इक्जीबिशन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रूस की रोस्टेक डिफेंस इंडस्ट्रियल के इंटरनेशनल कोआपरेशन एंड रीजनल पालिसी निदेशक विक्टर क्लादोव ने कहा कि इस युद्धक विमान के संभावित खरीददारों के रूप में चीन और भारत जैसे देशों की पहचान की गई है। चीनी वायुसेना के पास इस समय जे-20 स्टील्थ लड़ाकू विमानों के अलावा रूस के एसयू-35 विमानों का बेड़ा है। भारत फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान खरीद रहा है, इसलिए चीन अपनी वायुसेना को और मजबूती देने के लिए एसयू-57 खरीदने पर विचार कर रहा है। चीन हालांकि अपने देश में खुद नई पीढ़ी के युद्धक विमान तैयार कर रहा है, लेकिन वह विमानों के इंजन के मामले में रूसी इंजनों पर ज्यादा भरोसा करता है। चीन खुद उस तरह के इंजन नहीं तैयार कर पाया है, इसीलिए पाकिस्तान के साथ संयुक्त रूप से तैयार किए जा रहे जेएफ-17 विमानों में भी रूसी ईंजन लगाए गए हैं। चीन के रक्षा विश्लेषक तथा एयरोस्पेस नॉलेज के चीफ एडिटर वांग यानन ने कहा कि रूस ने पांचवीं पीढ़ी के अपने इस स्टील्थ युद्धक विमान को खरीदने का चीन और भारत को प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि चीन की तरह भारत में भी पांचवीं पीढ़ी का कोई विमान नहीं है इसलिए एसयू-57 भारत के लिए भी एक अच्छा विकल्प साबित होगा। वांग ने कहा कि यद्यपि वह इस विमान की खूबियों से प्रभावित हैं, लेकिन लगता नहीं कि हमारा देश इस विमान को खरीदेगा, क्योंकि चीन खुद पहले से ही पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान जे-20 तैयार कर रहा है।

बेतहाशा पैसा खिला कर खशोगी के परिवार का मुंह बंद कर रही सऊदी सल्तनत

दुबई।

तुर्की के इस्तांबुल में रहमस्यी तरीके से मारे गए पत्रकार जमाल खशोगी के परिवार का मुंह बंद रखने के लिए सऊदी अरब उन्हें बेतहाशा धन दे रहा है। यह दावा किया गया है 'वॉशिंगटन पोस्ट' की एक खबर में । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सऊदी सल्तनत द्वारा खशोगी के परिवार को करोड़ों डॉलर के घर दिए गए हैं और साथ ही हर महीने कई हजार डॉलर भी दिए जा रहे हैं। बता दें कि खशोगी 'वॉशिंगटन पोस्ट' के पत्रकार थे और सऊदी सरकार के घोर आलोचक थे। 2 अक्टूबर को रियाद के 15 एजेंटों की एक टीम ने खशोगी की हत्या कर उनके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे। 'वॉशिंगटन पोस्ट' ने अपनी खबर में कहा कि उनके चार बच्चों (दो बेटों और दो बेटियों) को यह पैसे दिया जाना । सऊदी अरब द्वारा खाशोगी के परिवार के साथ एक दीर्घकालिक समझौते तक पहुंचने के प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वे सार्वजनिक तौर पर बयान देने से बचें।'' समाचार पत्र की खबर के अनुसार खशोगी के बच्चों को बंदरगाह शहर जेद्दाह में घर दिए गए हैं, जिनकी कीमत 40 लाख डॉलर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खशोगी के सबसे बड़े बेटे सालाह की वहीं रहने की योजना है जबकि अमेरिका में रहने वाले बाकी बच्चों ने घर को बेचने का निर्णय लिया है। संपत्ति के अलावा बच्चों को प्रति माह 10,000 डॉलर से अधिक की राशि भी दी जा रही है। इससे अधिक भुगतान भी उन्हें किया जा सकता है जो कि लाखों डॉलर हो सकते हैं। सऊदी अरब के शक्तिशाली क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पर खशोगी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है लेकिन सल्तनत ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। सऊदी अरब ने शुरुआत में कहा था कि उसे खशोगी की हत्या की कोई जानकारी नहीं है लेकिन बाद में उसने मौत के लिए एजेंटों को दोषी ठहराया था। सरकारी अभियोजक ने उनकी हत्या के मामले में 11 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए हैं।

साल 2018 में एक लाख से अधिक भारतीय छात्र गए ऑस्ट्रेलिया, मिला जबर्दस्त ऑफर

सिडनी।

स्टडी के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में पिछले साल के मुकाबले भारी वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2018 के दौरान ऑस्ट्रेलिया के शैक्षिक संस्थानों में एक लाख से ज्यादा भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया है। भारतीय छात्रों के कुल अंतरराष्ट्रीय दाखिले का यह 12.4 फीसदी है। पिछले साल के मुकाबले इस साल दाखिलों में 25 फीसदी इजाफा हुआ है। चीन में सबसे ज्यादा 2.6 लाख या कुल 29 फीसदी दाखिले हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अडिशनल टेंपरेरी ग्रैजुएट वीजा की घोषणा की थी। इसमें किसी रजिस्टर्ड यूनिवर्सिटी के क्षेत्रीय कैंपस से ग्रैजुएशन करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों को पढ़ाई के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक साल अतिरिक्त काम का अधिकार मिलता है। मौजूदा समय में जो नियम है उसके मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में बैचलर या मास्टर डिग्री तक की पढ़ाई करने वाले छात्रों को पढ़ाई के बाद 2 सालों तक काम के लिए वीजा मिलता है लेकिन नए नियम में अब उनको तीन साल मिलेंगे। 20 मार्च को जारी एक अलग रिलीज में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने एक नई स्कॉलरशिप स्कीम की घोषणा थी। यह स्कीम ऑस्ट्रेलिया के अन्य क्षेत्रों में पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलियाई और अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने के लिए थी। हर साल स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय छात्रों को करीब 15,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 7 लाख रुपए) मिलेंगे।

प्लेन क्रैश में रूसी एविएशन इंडस्ट्री की आयरन लेडी सहित 3 की मौत

इंटरनेशनल डैस्क।

दक्षिण-पश्चिम जर्मनी स्थित एजेलबाश शहर के पास हुए प्लेन क्रैश में रूसी एविएशन इंडस्ट्री में आयरन लेडी के नाम से मशहूर नतालिया फिलेवा (55) की विमान दुर्घटना में मौत हो गई। 6 सीटों वाले विमान में पायलट के अलावा नतालिया और उनके पिता मौजूद थे। हादसे में तीनों की मौत हो गई। नतालिया और उनके पति व्लादिस्लाव फिलेवा एस7 एयरलाइंस के सह मालिक थे। नतालिया की नेटवर्थ 60 करोड़ डॉलर (करीब 4154 करोड़ रुपए) थी। परिवार में व्लादिस्लाव के अलावा चार बच्चे भी हैं। इसमें एक गोद ली हुई लड़की भी है। रूसी सिविल एविएशन सेक्टर में यात्रियों के लिए सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ाने पर जोर देने के कारण नतालिया को आयरन लेडी कहा जाता था।

नतालिया पिता को इलाज के लिए फ्रांस से जर्मनी ले जा रही थीं। उसी दौरान हादसा हो गया। एस7 जिसे साइबेरिया एयरलाइंस भी कहा जाता है, रूस की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी है। कंपनी के पास 96 विमान हैं । दुनिया के 26 देशों के 181 शहरों में यह सेवा देती है। रूस की सबसे बड़ी विमानन कंपनी एयरोफ्लोत की यह सबसे प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। एयरोफ्लोत सरकारी कंपनी है। नतालिया सोवियत संघ के विघटन के बाद साइबेरिया एयरलाइन का अधिग्रहण किया था। एस7 एयरलाइंस करीब एक दशक तक वन वर्ल्ड अलायंस का हिस्सा रही थी।

इस अलायंस में अमेरिका, ब्रिटेन और जापान की कंपनी भी थी। नतालिया में रूस में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम में भी शामिल रही थीं। एक बार उन्होंने कहा था, आप इन अधिकारियों से पूछिए कि वे एक-एक हजार डॉलर के जूते और सूट खरीदने के लिए पैसे कहां से लाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाक में छात्र ने किया ऐसा अविष्कार, पुलिस ने डर के मारे किया गिरफ्तार

पेशावर। पाकिस्तान में गजब का अविष्कार करने वाला एक छात्र पुलिस ने हिरासत में ले लिया। ये छात्र खुद बनाई फ्लाइंग मशीन उड़ाने का प्रयास कर रहा था। पंजाब पुलिस ने कहा कि मशीन की जांच की जा रही है कि इससे गांवों वालों को कोई खतरा तो नहीं था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 10वीं का छात्र फैयाज रविवार को पंजाब के मोहम्मद नगर गांव के खेत में डिवाइस उड़ाने का प्रयास कर रहा था। इसे देखने के लिए स्थानीय लोग वहां जमा थे। खेत में मौजूद स्थानीय लोगों में से किसी ने छात्र की शिकायत पुलिस से कर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छात्र को हिरासत में लिया और उसकी बनाई हुई मशीन भी जब्त कर ली। एक ग्रामीण ने कहा कि पुलिस ने मशीन को ट्रैक्टर ट्रॉली पर रखकर थाने ले गई। फैयाज ने बताया कि उसने पूर्वजों से मिली 0.5 एकड़ जमीन बेच मशीन बनाने में पैसे लगाए थे। पुलिस अफसर निसार भट्टी ने बताया कि छात्र को सुरक्षात्मक हिरासत में लिया गया है। हालांकि, उस पर कोई केस दर्ज नहीं किया गया है। मशीन की जांच की जा रही है कि लोगों को इससे कोई खतरा तो नहीं था।

मोजाम्बिक में चक्रवात के बाद फैला हैजा, 1,052 मामले सामने आए

मापुतो। मोजाम्बिक में चक्रवात के कहर के बाद हैजा का प्रकोप फैला हुआ है। चक्रवात से प्रभावित इलाकों में कम से कम 1,052 लोग हैजे से पीड़ित हैं। पिछले चार दिनों में यह संक्रमण तेजी से फैला है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को अपनी एक नई रिपोर्ट में बताया कि चार दिन पहले हैजे के सिर्फ 139 मामले थे। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक सप्ताह से सैकडों लोग हैजे से पीड़ित हैं, इससे अभी तक सिर्फ एक व्यक्ति की मौत हुई है। अधिकारी तथा सहायताकर्मी महामारी को फैलने से रोकने के लिए बुधवार को टीकाकरण अभियान शुरू करने जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हैजा प्रभावित बेइरा शहर में मंगलवार को हैजे की कम से कम 900,000 डोज ओरल वैक्सीन पहुंचने की संभावना है। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी यूसीन इस्से ने बताया कि बेइरा में हैजे का टीकाकरण बुधवार से शुरू होगा। हैजे के कुल 1052 मामलों में सर्वाधिक मामले 959 इसी शहर में सामने आए हैं।

अमेरिका में कॉल सेंटर घोटाले में भारतीय को 8 साल की जेल

वॉशिंगटन। भारत में कॉल सेंटर घोटाला मामले में संलिप्त एक भारतीय नागरिक को मंगलवार को 8 साल 9 महीने की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। निशित कुमार पटेल (31) ने नौ जनवरी को अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसे अदालत ने 2,00,000 डॉलर देने और अक्टूबर 2018 में जब्त की गई एक 2015 लैंड रोवर भी जमा कराने का आदेश दिया। टेल ने अमेरिकी निवासियों से पैसा वसूलने के लिए 2014 और 2016 के बीच आंतरिक राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी बन अमेरिका स्थित सह-साजिशकर्ताओं और भारत स्थित कॉल सेंटरों के साथ मिलकर अपराध को अंजाम दिया था। आईआरएस अमेरिका की संघीय सरकार की राजस्व सेवा है।

ब्रिटेन से भारत में निर्यात की वृद्धि सबसे तेज

लंदन। ब्रिटेन से भारत के निर्यात की वृद्धि दर गैर यूरोपीय संघ (ईयू) के देश को उसके निर्यात की तुलना में सबसे तेज है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018 में दोनों देशों के बीच माल और सेवा व्यापार में 19.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। ब्रिटेन के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों को ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग (डीआईटी) द्वारा स्वागत किया गया कि यह 'ब्रेक्सिट' से प्रभावित अर्थव्यवस्था की भविष्य की व्यापारिक संभावनाओं को काफी बढ़ावा देगा। भारत के अलावा, जापान (7.9 प्रतिशत), चीन (4.6 प्रतिशत), और कनाडा (4.2 प्रतिशत) के साथ भी ब्रिटेन के निर्यात में पिछले साल अच्छी गति से वृद्धि रही। इसके विपरीत यूरोपीय संघ को निर्यात 3.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री लियम फॉक्स ने कहा, बढ़ती चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृय के साथ भी, ये नवीनतम आंकड़े दर्शाते हैं कि दुनिया भर में ब्रिटेन के निर्यात की मांग बढ़ रही है और दुनिया भर में ब्रिटिश उत्पादों की काफी मांग है।

चीन में टीचर ने 23 बच्चों को दे दिया जहर, खौफ में अभिभावक

बीजिंग। अध्यापकों को बच्चों का मार्गदर्शक कहा जाता है और अभिभावक भी बच्चों को स्कूल में टीचरों के पास सुरक्षित महसूस करते हैं लेकिन चीन में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने अभिभावकों के मन में अध्यापकों के प्रति खौफ भर गया है। चीन के हेनान प्रांत में किंडरगार्टन की शिक्षक ने 23 बच्चों को जहर दे दिया। स्थानीय प्रशासन शासन ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। प्रारंभिक जांच के अनुसार जहर सोडियम नाइट्राइट द्वारा शिक्षक वांग के जरिए दिया गया था। आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामले की जांच जारी है। गौरतलब है कि सोडियम नाइट्राइट मीट और मछली उत्पादों में इस्तेमाल होने वाला खाद्य योज्य है और इसका उच्च मात्रा में इस्तेमाल करने से यह लोगों के लिए विषाक्त हो सकता है। ज्यादातर बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जबकि एक बच्चे में गभीर लक्षण दिखाई दिए हैं और सात बच्चे इलाज के लिए अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

ब्रेन डेड मां ने 56 दिन बचाए रखी अपने बच्चे की जान

इंटरनेशनल डैस्क।

एक बच्चे के लिए दुनिया में मां से बढ़कर कोई नहीं होता। इसकी एक उदाहरण पुर्तगाल के एक अस्पताल में देखने को मिली जब दिमाग से मृत घोषित एक महिला ने अपने बच्चे की जान बचा ली। इस चमत्कार से डाक्टर भी हैरान हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुर्तगाल के सेंट जॉन अस्पताल में पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैटरीना सेकुरीन(26) दिसंबर से ब्रेन डेड अवस्था मे भर्ती थीं। दिसंबर में कैटरीना जब कोमा में गईं तब वह 19 हफ्ते की गर्भवती थीं। कैटरीना को दिसंबर महीने में अस्थमा का दौरा पड़ा था। यह दौरा इतना खतरनाक था कि वह सीधे कोमा में चली गईं। अस्पताल में भर्ती करने पर डॉक्टरों ने 26 दिसंबर को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। पिछले 56 दिनों से कैटरीना अस्पताल में भर्ती थीं। चूंकि, वह गर्भवती थीं इसलिए उन्हें वेंटिलेटर पर जीवित रखा गया था। डॉक्टर चाहते थे कि उनके गर्भ में पल रहे बच्चे को बचाया जा सके। साथ ही गर्भ कम से कम 32 हफ्ते का हो ताकि बच्चे के जन्म के दौरान कोई परेशानी न हो। कुछ दिन पहले कैटरीना की तबीयत अचानक तेजी से बिगड़ने लगी। उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर बच्चे को बाहर निकल दिया। बच्चे की डिलिवरी के बाद कैटरीना की मौत हो गई। बच्चे को अस्पताल में तीन हफ्ते तक रखा जाएगा। कैटरीना की मां ने कहा कि जहां एक ओर नाती के जन्म से वह बेहद खुश हैं तो वहीं बेटी की मौत से आहत हैं। नाती का नाम उन्होंने साल्वाडोर रखा है। उन्होंने कहा कि वह अपनी बेटी की कमी को तो पूरा नहीं कर सकती, लेकिन उन्हें फिलहाल साल्वाडोर की परवरिश पर ध्यान देना होगा। पुर्तगाल के

कानून के अनुसार ब्रेनडेड गर्भवती महिला को भी बच्चे को जन्म देने का पूरा अधिकार है। इसलिए कैटरीना के परिवार की इच्छा के अनुसार उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया ताकि गर्भ को बढ़ने दिया जा सके। पुर्तगाल में ब्रेन डेड महिला के मां बनने का यह दूसरा मामला है।

ब्रिटिश सांसदों ने ब्रैक्जिट पर थरेसा की आखिरी उम्मीद भी तोड़ी, सभी विकल्प किए खारिज

लंदन।

ब्रैक्जिट को लेकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री थरेसा में की आखिरी उम्मीद भी उस समय टूट गई जब ब्रिटेन सांसदों ने उनको चौथी बार झटका दे दिया। सोमवार को ब्रिटेन सांसदों ने दूसरे राउंड में ब्रेक्जिट के सभी चार प्रस्तावों को सिरे से खारिज कर दिया। ससंद के अध्यक्ष जॉन बेरको द्वारा लाए गए सभी चार प्रस्तावों को सांसदों ने खारिज कर दिया। ब्रिटेन की सरकार को यूरोपियन संघ (ईयू) से बाहर निकलने पर 12 अप्रैल तक फैसला करना है। ब्रिटेन के सांसदों ने यूरोपीय संघ के साथ सरकार के तीन समझौतों को खारिज करने के बाद मंगलवार को ब्रेक्जिट के लिए चार संभावित वैकल्पिक योजनाओं के खिलाफ वोट किया।यूरोपीय संघ से बाहर होने के बाद बेहद घनिष्ठ आर्थिक संबंध बनाए रखने, दूसरा जनमत संग्रह कराना या बिना किसी समझौते के ब्रेक्जिट को रोकने में से किसी भी प्रस्ताव को बहुमत हासिल नहीं हो पाया। प्रधानमंत्री थेरेसा मे के चारों प्रस्तावों को संसद में सांसदों का समर्थन नहीं मिल सका और बहुमत नहीं होने के कारण प्रस्ताव गिर गया। ब्रेक्जिट मुद्दे पर जनता के वोट करने के फैसले पर सांसदों ने 292 में से 280 वोट कर इस प्रस्ताव का भी विरोध किया।उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन सरकार की मंत्रीमंडल की बैठक मंगलवार की सुबह हो सकती है जिसमें इस्तीफा देने, आम चुनाव कराने या नेतृत्व परिवर्तन करने के बारे में विचार किया जा सकता है।कंजरवेटिव पार्टी के सांसद निक बोल्स ने कहा, ''मेरी पार्टी समझौता नहीं करना चाहती। मुझे खेद है कि अब मैं पार्टी में नहीं रह सकता। मैं मानता हूं कि मैं असफल हुआ।'

ब्रिटिश कैबिनेट मंत्रियों को एक बार फिर कथित तौर पर वोटों के बहिष्कार का निर्देश दिया गया क्योंकि सांसद एक वैकल्पिक सौदे के लिए दूसरा प्रयास करते हैं। प्रधानमंत्री थेरेसा मे ने सुझाव दिया था कि वह सांकेतिक वोट प्रक्रिया के साथ रचनात्मक रूप से संलग्न होंगी लेकिन मे की यूरोपियन संघ से बातचीत करने की योजना को संसद से दो बार भारी मतों से खारिज कर दिया गया।

पाकिस्तान ने कबूला, 27 फरवरी को उड़ान पर थे एफ-16 विमान

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने सोमवार को स्वीकार किया कि 27 फरवरी को एफ-16 विमानों सहित उसकी वायुसेना के सभी विमान हरकत में थे लेकिन इससे इंकार किया कि भारतीय वायुसेना ने उसके एक एफ-16 विमान को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना के संयुक्त जनसंपर्क विभाग आईएसपीआर ने एक बयान जारी कर 27 फरवरी को भारत से लगती सीमा के पास कार्रवाई में पाकिस्तान के एफ-16 विमान का उपयोग करने और उसे भारतीय वायुसेना द्वारा मार गिराये जाने के दावों को खारिज कर दिया। बयान में कहा गया है कि 27 फरवरी की घटना अब इतिहास बन चुकी है। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के किसी एफ-16 को नहीं मार गिराया। आईएसपीआर ने कहा कि पाकिस्तानी वायु सेना (पीएएफ) ने जेएफ-17 से अपनी सीमा के भीतर से नियंत्रण रेखा के पार कार्रवाई की। भारत के दो लड़ाकू विमानों ने जब नियंत्रण रेखा पार की तो उसे पीएएफ ने मार गिराया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें एफ-16 से मारा गया या जेएफ-17 से। आईएसपीआर ने कहा, ''उस समय एफ-16 समेत पीएएफ के सभी विमान उड़ान पर थे और ''उस समय एफ-16 समेत पीएएफ के सभी विमान उड़ान पर थे और अगर एफ-16 का भी इस्तेमाल किया गया तो भी यह सच नहीं बदलने वाला कि दो भारतीय विमान मार गिराये गये। भारत अपनी मर्जी से कुछ भी कह सकता है। उसने जोर दिया कि पाकिस्तान के पास आत्मरक्षा में कुछ भी करने का अधिकार है। आईएसपीआर के महानिदेशक मेजर जनरल आसिफ गफूर ने पिछले माह अंतरराष्ट्रीय मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में 27 फरवरी को एफ-16 के इस्तेमाल से इंकार किया था।

मिशन शक्ति से अंतरिक्ष में जमा हुआ 400 टुकड़ों का मलबा, स्पेस को खतरा

वाशिंगटन।

नासा ने भारत द्वारा अपने ही एक उपग्रह को मार गिराए जाने को मंगलवार को भयंकर बताया। नासा ने कहा कि नष्ट किए उपग्रह से अंतरिक्ष की कक्षा में 400 टुकड़ों का मलबा हुआ जिससे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर खतरा पैदा हो गया है। नासा प्रशासक जिम ब्राइडेंस्टाइन ने बताया कि अभी तक करीब 60 टुकड़ों का पता लगाया गया है और इनमें से 24 टुकड़े आईएसएस के दूरतम बिन्दु से ऊपर हैं। उन्होंने यहां नासा टाउनहॉल में कहा कि यह भयानक है, मलबा और दूरतम बिन्दु तक टुकड़े भेजने की घटना भयानक बात है। भविष्य में मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए इस तरह की गतिविधि अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा गत सप्ताह किए एसैट परीक्षण से कक्षा में करीब 400 टुकड़ों का मलबा फैल गया। ब्राइडेंस्टाइन ने कहा कि सभी टुकड़े इतने बड़े नहीं है कि उनका पता लगाया जा सके और नासा अभी 10 सेंटीमीटर या उससे बड़े टुकड़ों का ही पता लगा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेलीविजन पर अपने संबोधन में घोषणा की थी कि भारत ने अंतरिक्ष में मिसाइल से एक उपग्रह मार गिराया है। इस क्षमता को हासिल करने के साथ ही वह अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों की कतार में शामिल हो गया है। मोदी के इस संबोधन के बाद ब्राइडेंस्टाइन का यह बयान सामने आया है। उन्होंने यह बात नासा के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। ब्राइडेंस्टाइन ट्रंप प्रशासन के पहले शीर्ष अधिकारी हैं जो भारत के एसैट परीक्षण के खिलाफ सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं।

उन्हें डर है कि भारत के एसैट परीक्षण से दूसरे देशों द्वारा ऐसी ही गतिविधियों के प्रसार का खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब एक देश ऐसा करता है तो दूसरे देशों को भी लगता है कि उन्हें भी ऐसा करना चाहिए। यह अस्वीकार्य है। नासा को इस बारे में स्पष्ट रुख रखने की जरुरत है कि इसका हम पर क्या असर पड़ता है।

नासा प्रशासक ने कहा कि एसैट परीक्षण से पिछले दस दिनों में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र को छोटे कण वाले मलबे से खतरा 44 प्रतिशत तक बढ़ गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्री अब भी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि अच्छी बात यह है कि यह पृथ्वी की कक्षा से काफी नीचे था जिससे वक्त के साथ ये सभी टुकड़ें नष्ट हो जाएंगे।

भुलकाओं द्वारा मतदान जागृति हेतु आहवान

सूरत। मंगलवार को लोकसभा चुनाव के अंतर्गत आगामी 23 अप्रैल को आयोजित मतदान के संदर्भ में सूरत जिला के कामरेज तालुका की जिला पंचायत शिक्षण समिति शालाओं के विद्यार्थियों ने सवीप नोड़ल अधिकारी एवं जिला शिक्षाधिकारी के मार्गदर्शन में आज धारुण, सेगवा, खानपुर प्राथमिक शाला के छोटे भुलकाओं ने मतदान जागृति रैली आयोजित कर लोकशाही (गणतन्त्र) के महापर्व में अधिकाधिक मतदान करने का संदेश लोगों तक बड़े ही उत्साह से पहुंचाया। लोकसभा चुनाव अंतर्गत शहर जिला में मतदाता के प्रति लोक जागरण के निमित शाला के विद्यार्थियों द्वारा रैली में मतदान अपना फर्ज है। छोड़कर अपने सारे काम पहले चलों करें

मतदान, साचु मतदार लोकशाही नो धबकार जागो मतदार जागो जैसे सूत्रोच्चार के साथ गामड़ा की शोरिओं को गुजायमान कर दिया। लोकशाही महापर्व में जुड़ने हेतु आहवान किया इसके अतिरिक्त शहरी विस्तार की शालाओं में पोस्टर लगाकर मतदाताओं को जागृत कर रहे है।

रीवर पार्क सोसायटी कोजवे के पास हुआ खून

क्राइम ब्रांच ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सूरत। मंगलवार को लालगेट पो.स्टे. गु. र. नं. 24/2019 आई.पी.सी. धारा 302 तथा जी. पी. एक्ट135(1) के तहत हुए अपराध में किसी अनजान हेल्मेटधारी एक्टिवा चालक शकमन्च प्रफुल्ल उर्फ सोनु मराठी जिसका वर्तमान पता मालूम न होने पर भी उसका नाम फरियाद में जाहेर किया गया था। जिससे पुलिस कमिश्नर सूरत शहर तथा अधिक पुलिस कमिश्नर ट्राफिक एवं क्राइम के आदेश के बाद विभिन्न पुलिस अधिकारियों आदि की सूचना एवं पुलिस इंस्पेकटर डी. सी. बी तथा पुलिस इंस्पेकटर लालगेट के मार्गदर्शन के तहत क्राइम ब्रांच के अधिकारी तथा पुलिस की विभिन्न टीमें मजकुर शकमंद को ढूंढकर पकड़ने के लिये कार्यरत थी इसी बीच पी. एस. आई . एस. पी झाला एवं पी. एस. आई पनारा की टीम को मिली सूचना के आधार पर कतारगाम दरवाजा के पास से आरोपी प्रफुल्ल कुमार उर्फ सोनु पत्र अरुणभाई नाथ जोगी उम्र 27 वर्ष को दबोच लिया। आरोपी की पूंछ ताछ में बताया कि दीपक मोरे ने लगभग डेढ वर्ष पहले उसकी पत्नी के साथ छेड़ छाड़ की थी इस वहम से आरोपी के पास झगड़ा किया था तथा आरोपी जमीन मकान की दलाली का धन्धा करता है इस धन्धे में भी मृतक हस्तक्षेप करता था इसी बात की अदावत में आज उसे मार देना है इसी उद्देश्य से मित्र की एक्टिवा के उपर स्टील पाइप लेकर निकला था और मृतक अपने बच्चों को कोजवे के पास रीवर पार्क सोसाइटी में ट्यूशन के लिए छोड़ने आ रहा है, सोसाइटी के नाके पर मृतक की राह देख रहा था। मृतक बच्चे को ट्युसन में छोड़कर वापस जा रहा था उसी समय पीछे से उसकी पीछा करता हुआ आरोपी भरीमाता रोड़ पर विशाल होटेल के सामने आते ही मौका पाकर स्टील के पाईप से हमला कर दिया और मृतक के सिर पर मार-मार कर मौत की नींद सुला घटना स्थल से भाग गया।

इस तरह क्राइम ब्रांच व लालगेट पुलिस स्टेशन की टीम को सही सूचना मिलते ही टीम वर्क से आरोपी को दबोच लिया।

एक ओर चौकीदार, दूसरी ओर चोरों की जमात: विजय रूपाणी

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव ज्यों ज्यों निकट आते जा रहे हैं भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग तेज हो रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज कच्छ में कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि मौजूदा चुनाव में एक ओर चौकीदार है और दूसरी ओर चोरों की जमात खड़ी है। कच्छ से भाजपा प्रत्याशी विनोद चावडा के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले जनसभा को संबोधित करते हुए विजय रूपाणी ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव राष्ट्रवाद बनाम आतंकवाद, ईमानदार बनाम बेईमान और कामदार बनाम नामदार का है। जिसमें एक ओर चौकीदार है तो दूसरी ओर चोरों की जमात है। लेकिन देश की जनता प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी को फिर एक बार देश की कमान सौंपने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद से लोगों में उ मीदें जगी हैं और जन जन की आवाज बन गई है कि मोदी है तो मुमकीन है। पहले यूपीए की सरकार रिमोट से चलती थी और देश दिशा विहीन था। यूपीए सरकार में चहुं ओर लूट मची हुई थी। जबकि पिछले पांच साल में पीएम मोदी के सुशासन में देश में भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था से लोगों में उत्साह और खुशी है। भारत जैसे विशाल देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही सुरक्षित है। रूपाणी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के गुरु सैम पित्रोदा ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी है और विपक्षी दल बालाकोट में हुई एयर स्ट्राइक का सबूत मांग कर भारतीय सेना का लगातार अपमान कर पाकिस्तानी मीडिया में हीरो बनने की चेष्टा कर रह हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाएगी, भले ही कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल कोर्ट कार्यवाही में विलंब करने का प्रयास करें।

विजय रूपाणी ने कहा कि भाजपा सरकार सही दाम और युवाओं को काम देने की दिशा में आगे बढ़ रही है, ऐसे में कांग्रेस उन्हें गुमराह कर वोट बैंक की राजनीति कर रही है। स्व. इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ अभियान शुरू किया। कई वर्षों से पहले गरीबी उन्मूलन अभियान स्व. इंदिरा गांधी ने चलाया, परंतु गरीबी खत्म नहीं हुई। आजादी के 55 सालों तक परिवारवाद की राजनीति कर राजाशाही जीवन व्यतीत करनेवाली कांग्रेस को आज गरीबों की याद आई है। जबकि पीएम मोदी आयुष्यमान योजना के तहत गरीबों के लिए 5 लाख तक की मु त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाकर वास्तव में उनकी चिंता की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में एक रुपए में से 85 पैसे बिचौलिए खा जाते थे और केवल 15 पैसे गरीब तक पहुंचते थे। जबकि भाजपा राज में पूरा एक रुपया गरीब के हाथ में सीधे पहुंचता है। राहुल गांधी ने गरीबों को सालाना रु. 72000 देने का एक और झूठा वादा किया है। जबकि देश के पीएम मोदी गरीब और किसानों के लिए जन कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ देने के लिए उनके बैंक एकाउंट खुलवा दिए हैं।

खजोद में शराब का जखीरा पकड़ा

सूरत। पीसीबी ने खजोद के पास जमीन में टंकी में छुपा कर रखी 1.54 लाख की अग्रेंजी शराब पकड़ी और बुटलेगर को वॉन्टेड दर्शाया है। पीसीबी आर.आर.चौधरी के निर्देश एवं मार्गदर्शन के तहत स्टाफ गश्त लगा रहा था तब खजोद गांव के बगल में कचरा प्लान्ट के पास ताड़ के पेड़ के नीचे जमीन में बनायी गयी टंकी में अंग्रेजी शराब छुपायी गयी होने की खबर मिली। जिसके आधार पर टीम स्थल पर पहुंची और टंकी खोल कर जांच की। जिसमें अंग्रेजी शराब और बीयर की 1116 बोटलें मिली।

5 साल में सांसद डॉ. किरीट सोलंकी की संपत्ति में 215 प्रतिशत का इजाफा

अहमदाबाद। अहमदाबाद पश्चिम की लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी डॉ. किरीट सोलंकी की संपत्ति में पिछले पांच साल में 215 प्रतिशत और उनकी पत्नी की संपत्ति में 270 प्रतिशत इजाफा हुआ है। नामांकन पत्र दाखिल करते समय किरीट सोलंकी ने अपनी संपत्ति की घोषणा की। डॉ. किरीट सोलंकी और उनकी पत्नी के पास एक भी वाहन नहीं है। जबकि 2014 में उनके पास 17.40 लाख रुपए की कीमत का वाहन था। सोलंकी ने अपनी संपत्ति का ब्योरा देते हुए कहा कि 2014 में उनके पास स्थायी संपत्ति 2 करोड़ पांच हजार रुपए थी, जो 2019 में 6 करोड़ 76 हजार रुपए हो गई है। इससे उनकी संपत्ति में 215 प्रतिशत वृद्धि हुई। इसी प्रकार उनकी पत्नी की संपत्ति 2014 में 55 लाख से बढ़कर दो करोड़ चार लाख रुपए हो गई है।

अहमद के नाम को लेकर सस्पेंस : आज और घोषणा

कांग्रेस पार्टी द्वारा और चार उम्मीदवारों के नाम घोषित

अमरेली से धानाणी, गांधीनगर से चावडा, जामनगर से कंडोरिया और सुरेन्द्रनगर से सोमाभाई के नाम घोषित

अहमदाबाद । एक तरफ गुजरात में लोकसभा सीट के अधिकतर उम्मीदवारों के नाम घोषित करके भाजपा अपनी निर्धारित चुनावी रणनीति के अनुसार आगे बढ़ रहा है और राजनीतिक पार्टियों द्वारा नामांकन फॉर्म भरने की शुरूआत हुई है तब कांग्रेस पार्टी द्वारा गुजरात लोकसभा की बाकी के सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम जल्दी से घोषणा हो इसके लिए कवायद शुरू कर दी । मंगलवार को देर शाम को दिल्ली में कांग्रेस हाइकमान के नेतृत्व के तहत कांग्रेस के राष्ट्रीय दिग्गज नेताओं की बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के और उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए थे। जिसमें गुजरात की लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की तरफ से और चार उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए । जिसमें अमरेली से परेश धानाणी, गांधीनगर से सीजे. चावडा, जामनगर से मुलु कंडोरिया और सुरेन्द्रनगर से सोमाभाई पटेल के नाम घोषित किए गए। अब बाकी के ८ उम्मीदवारों के नाम करीब एक-दो दिन में घोषणा की जाए ऐसी संभावना है । गांधीनगर सीट पर भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस द्वारा पहले की अपेक्षा अनुसार, अनुभवी सीजे. चावडा को मैदान में उतारा गया है तो अमरेली से विपक्ष के नेता और कांग्रेस के युवा नेता परेश धानाणी को टिकट दिया गया है। कांग्रेस हाइकमान के नेतृत्व के तहत कांग्रेस के राष्ट्रीय दिग्गज नेताओं की बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के और उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए थे । जिसमें गुजरात की लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की तरफ से और चार उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए। दूसरी तरफ, कांग्रेस के राष्ट्रीय और दिग्गज नेता अहमद पटेल के नाम को लेकर आज भी सस्पेंस बना रहा, भरूच सीट से उनके नाम की घोषणा बुधवार को हो ऐसा माना जा रहा है । इसके पहले कांग्रेस द्वारा पाटण से ज गदीश ठाकोर, जूनागढ़ पूंजा वंश, राज कोट से कगथरा, पोरबंदर ललित वसोया, बारडोली तुषार चौधरी, पंचमहाल खांट और वलसाड से जीतू चौधरी इस तरह सात उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई थी । इसके पहले कांग्रेस द्वारा आणंद से भरतसिंह सोलंकी सहित के चार से पांच उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई थी । अभी तक में कांग्रेस द्वारा आज के चार मिलाकर कुल १८ उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी गई है और ८ उम्मीदवारों के नाम बाकी रहे हैं, जिसकी घोषणा करीब एक-दो दिन में घोषणा की जाए ऐसी संभावना है ।

आठ नाम अब भी बाकी है

कांग्रेस के कुल १८ उम्मीदवार

अहमदाबाद,२ अप्रैल ।

मंगलवार को देर शाम को दिल्ली में कांग्रेस हाइकमान के नेतृत्व के तहत कांग्रेस के राष्ट्रीय दिग्गज नेताओं की बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के और उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए थे । जिसमें गुजरात की लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की तरफ से और चार उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए । कांग्रेस के उम्मीदवार की सूची निम्न है ।

उम्मीदवार	क्षेत्र
जगदीश ठाकोर	पाटन
पूजा वंश	जूनागढ़
ललित कगथरा	राजकोट
ललित वसोया	पोरबंदर
तुषार चौधरी	बारडोली
वीके खांट	पंचमहाल
जीतु चौधरी	वलसाड
नरेश एम महेश्वरी	कच्छ
धर्मेश पटेल	नवसारी
राजु परमार	अहमदाबाद पश्चिम
प्रशांत पटेल	वडोदरा
रणजीत राठवा	छोटा उदेपुर
भरतसिंह सोलंकी	आणंद
ऐजे पटेल	महेसाणा
सीजे चावडा	गांधीनगर
परेश धानाणी	अमरेली
सोमभाई पटेल	सुरेन्द्रनगर
मुणु कंडोरिया	जामनगर

हार्दिक पटेल को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तत्काल सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली/ गांधीनगर । हार्दिक पटेल की आम चुनाव में उतरने की उम्मीदों को सुप्रीम कोर्ट से भी करारा झटका लगा है। 2015 में गुजरात के मेहसाणा में दंगा भड़काने के मामले में उनकी सजा को निलंबित करने की याचिका पर शीर्ष अदालत ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस पर तत्काल सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस पर सुनवाई के लिए 4 अप्रैल की तारीख तय की है। इससे पहले गुजरात हाई कोर्ट ने उनकी सजा को निलंबित करने की याचिका को रद्द कर दिया था।

पीपल्स रिप्रजेंटेटिव ऐक्ट, 1951 के मुताबिक हार्दिक पटेल अपनी सजा के कारण इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इस कानून के तहत दो साल या इससे अधिक की सजा पाए नेताओं को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन से उभरे 25 साल के हार्दिक पटेल ने 12 मार्च को कांग्रेस में शामिल होने के बाद जामनगर से चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी थी।

हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से टिकट का भी आग्रह किया था, लेकिन हाई कोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने उनकी तैयारियों पर पानी फेर दिया है। जामनगर लोकसभा सीट पर नामांकन के लिए 4 अप्रैल आखिरी तारीख है, ऐसे में शीर्ष अदालत की ओर से मामले की सुनवाई से इनकार से साफ है कि हार्दिक अब चुनावी समर में नहीं उतर सकेंगे। गौरतलब है कि मेहसाणा जिले के सेशन कोर्ट ने 2015 में विसनगर में पाटीदार आंदोलन के दौरान हुए दंगे और आगजनी के मामले में हार्दिक पटेल को दोषी करार दिया था। बीजेपी विधायक ऋषिकेश पटेल के कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में हार्दिक पटेल और उनके साथियों को दो साल की सजा सुनाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने हार्दिक की याचिका पर सुनवाई के लिए 4 अप्रैल की तारीख तय की है। जामनगर लोकसभा सीट पर नामांकन के लिए भी यह आखिरी दिन है। ऐसे में शीर्ष अदालत यदि उनकी सजा को निलंबित करती है तो उनके पास उस दिन नामांकन का विकल्प होगा। हालांकि इसके लिए यह जरूरी है कि कांग्रेस पार्टी अपना उम्मीदवार तब तक घोषित न करे। गौरतलब है कि गुजरात में एक ही चरण में 23 अप्रैल को मतदान होना है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**